REET 2025 L - 1 & 2 हिंदी उपचारात्मक शिक्षण

4. पुनः शिक्षण (Re-teaching):

- जिन विषयों में छात्रों को कठिनाई होती है, उन्हें बार-बार अलग-अलग तरीकों से सिखाना।
- **उदाहरण :-** यदि "भिन्न" (fractions) समझने में दिक्कत है, तो इसे फलों को काटकर सिखाया जा सकता है।

5. समूह शिक्षण (Group Teaching) :-

- समान कठिनाई वाले छात्रों को एक साथ सिखाना।

उदाहरण :- जिन छात्रों को "हिंदी वाक्य रचना" में समस्या है, उन्हें अलग से वाक्य बनाने की प्रैक्टिस करवाई जाए।

- कक्षा के वातावरण में सुधार

उपचारात्मक शिक्षण के लिए कक्षा का वातावरण ऐसा होना चाहिए जहाँ :-

1. डर और शर्म का माहौल न हो।
2. प्रश्न पूछने की स्वतंत्रता हो।
3. सकारात्मक प्रतिसाद मिले।

अतिरिक्त उदाहरण

उदाहरण 3: विज्ञान (पदार्थों के गुण समझने में समस्या)

समस्या: छात्र ठोस, द्रव और गैस के गुणों को नहीं समझ पाते।

उपचारात्मक कदम :-

1. उन्हें ठोस, द्रव और गैस के उदाहरण दिखाएँ (जैसे बर्फ, पानी, और भाप)।
2. प्रयोग करवाएँ जैसे—पानी गर्म करने पर भाप में बदलना।
3. पोस्टर और चार्ट का उपयोग करें।

उदाहरण 4 :- सामाजिक विज्ञान (इतिहास की तिथियाँ याद करने में समस्या)

समस्या: छात्र तिथियों को याद नहीं रख पाते।

उपचारात्मक कदम:-

1. महत्वपूर्ण घटनाओं को एक कहानी की तरह सिखाएँ।
2. तिथियों को याद रखने के लिए माइंड मैप्स या चार्ट बनवाएँ।
3. "तिथियों का खेल" (Dates Quiz) आयोजित करें।

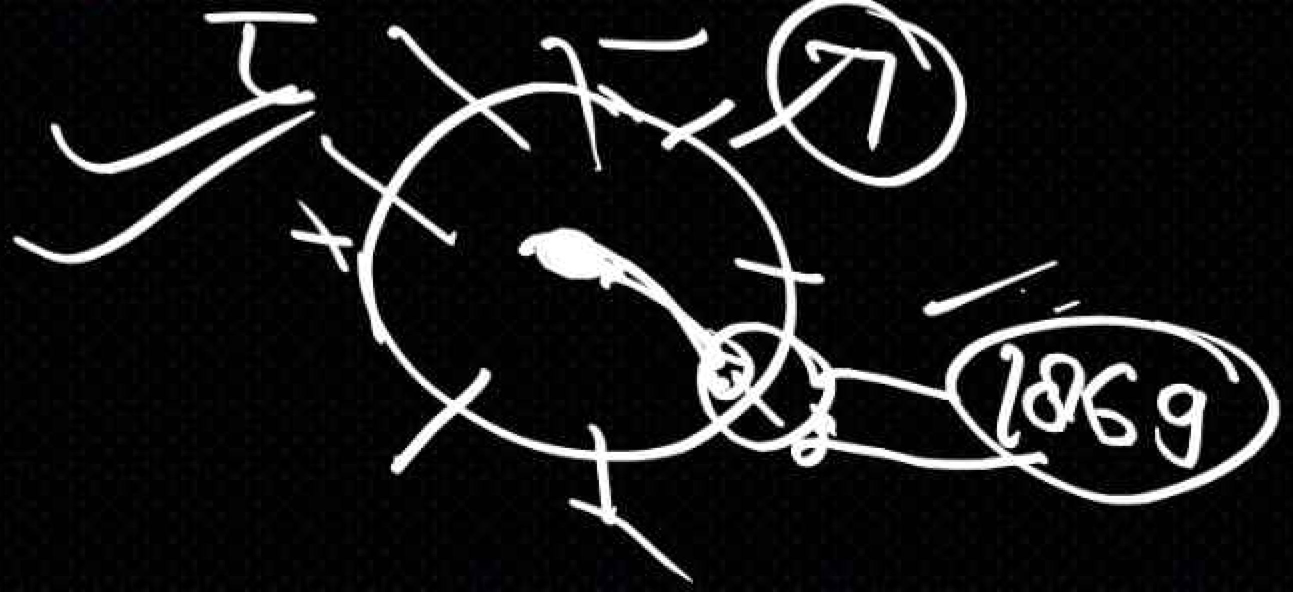

उदाहरण 5 :- अंग्रेजी (व्याकरण समझने में समस्या)

समस्या: छात्र को सही वाक्य बनाना नहीं आता।

मैं जाता हूँ।
I go.

उपचारात्मक कदम:-

1. छोटे-छोटे वाक्यों का अभ्यास कराएँ।
2. "Fill in the Blanks" और "Match the Following" का अभ्यास कराएँ। रिक्त स्थान जोड़ें मिलान
3. प्रैक्टिकल संवाद (Dialogue) सिखाएँ।

शिक्षक की भूमिका

1. **संवेदनशीलता :** छात्र की समस्याओं को समझने और उन्हें हल करने के लिए सहानुभूति रखना।
2. **सक्रिय मूल्यांकनकर्ता:** छात्रों की प्रगति को निरंतर मूल्यांकन करना।
3. **मार्गदर्शक :** छात्रों को सही दिशा में प्रेरित करना।
4. **उत्साहवर्धन :** छात्रों को प्रयास करने के लिए प्रेरित करना।
5. **सृजनात्मकता :** नई-नई शिक्षण तकनीकें तैयार करना।

उपचारात्मक शिक्षण की विस्तृत प्रक्रिया

1. समस्या का निदान (Diagnosis of Problem)

- महत्त्व :- छात्रों की समस्याओं को सही ढंग से समझने के लिए।
- तरीके :-
- लिखित टेस्ट :- किसी विषय पर छात्रों की समझ का मूल्यांकन।
- मौखिक प्रश्न-उत्तर :- सीधे प्रश्न पूछकर छात्रों की कठिनाई जानना।

जाँच

- अवलोकन (Observation) :- कक्षा में छात्रों के व्यवहार और प्रदर्शन को देखकर समस्या का पता लगाना।
- उदाहरण :- यदि छात्र को "गति" (Speed) का सूत्र समझने में दिक्कत हो रही है, तो शिक्षक यह पता लगाएंगे कि समस्या गणना में है या सूत्र की अवधारणा में।

2. समान समस्या वाले छात्रों का समूह बनाना

- जिन छात्रों को समान कठिनाइयाँ हो रही हैं, उन्हें समूहों में विभाजित करना।
- लाभ :- 1. छात्रों को समूह में सीखने का अवसर मिलता है।
  2. शिक्षक प्रत्येक समूह पर अलग ध्यान केंद्रित कर सकते हैं।
  3. सहायक सामग्री तैयार करना

विशेष सामग्री और रणनीतियाँ :-

- चार्ट, फ्लैशकार्ड, पज़ल्स, और व्यावहारिक उपकरण।
- डिजिटल साधन, जैसे वीडियो या गेम।

उदाहरण :- यदि छात्रों को अंग्रेजी के क्रिया (verb) समझने में दिक्कत है, तो शिक्षक चित्र और क्रिया वाले फ्लैशकार्ड का उपयोग कर सकते हैं।

- चित्र : बच्चा दौड़ रहा है।
- क्रिया : दौड़ना (Run)।

4. सक्षम रणनीतियों का उपयोग

ध्यान केंद्रित शिक्षण (Focused Teaching) :- छात्र की विशेष आवश्यकता पर ध्यान देना।

दोहराव और अभ्यास (Repetition and Practice) :- बार-बार अभ्यास के माध्यम से समझ को मजबूत करना।

मूलभूत ज्ञान पर काम (Work on Basics) :-

अगर समस्या जड़ में है, तो मूलभूत जानकारी को दोबारा पढ़ाना।

- **उदाहरण :-** यदि छात्र को "वर्गमूल (Square Root)" समझने में कठिनाई हो रही है, तो शिक्षक पहले "गुणा" और "वर्ग" के आधारभूत ज्ञान को दोहराएँगे।

5. मूल्यांकन और प्रतिक्रिया (Evaluation and Feedback)

उपचारात्मक शिक्षण के बाद छात्रों की प्रगति का मूल्यांकन किया जाता है।

- तरीके-
- प्रैक्टिकल टेस्ट ✓
- प्रश्नावली ✓
- छात्रों से प्रतिक्रिया लेना ✓
- महत्त्व ✓

$6 \times 6 = \sqrt{36} = 6$

- यह सुनिश्चित करता है कि उपचारात्मक शिक्षण प्रभावी रहा या नहीं।

विशेष उदाहरण

उदाहरण 1 :- हिंदी (संधि-विच्छेद में कठिनाई)

समस्या :- छात्र "संधि" का विभाजन सही तरीके से नहीं कर पा रहे।

उपचारात्मक कदम :

1. छात्रों को स्वर और व्यंजन संधि के नियम समझाएँ।
2. सरल शब्दों से शुरुआत करें,
   जैसे:- "राम + ईश्वर = रामेश्वर"।
3. चार्ट और रंगों का उपयोग करें।

उदाहरण 2 :- गणित (मापन में कठिनाई)

समस्या : छात्र "लंबाई" और "क्षेत्रफल" के मापन में फर्क नहीं समझ पा रहे।

उपचारात्मक कदम :-

1. छात्रों को एक वर्ग (Square) और एक रेखा का भौतिक मॉडल दें।
2. मापने के लिए स्केल और टेप का उपयोग सिखाएँ।
3. उन्हें छोटे कार्य दें, जैसे एक पेंसिल की लंबाई और अपनी कॉपी के कवर का क्षेत्रफल मापें।

उदाहरण 3 : विज्ञान (उपचय और अपचय प्रक्रियाएँ)

समस्या :- छात्र को "उपचय" (Anabolism) और "अपचय" (Catabolism) के बीच अंतर समझ नहीं आता।

उपचारात्मक कदम :-

1. पौधों और जानवरों के भोजन बनाने और ऊर्जा प्राप्त करने के उदाहरण दें।
2. डॉयग्राम्स का उपयोग करें।
3. आसान भाषा में परिभाषा लिखवाएँ
   - उपचय: नई चीजें बनाने की प्रक्रिया।
   - अपचय: ऊर्जा प्राप्त करने के लिए चीजों का टूटना